



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदी विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ
लोक भाषा के रूप में स्थापित हो हिंदी : मनोज श्रीवास्तव

‘हिंदी : भाषाधिकार एवं मानवाधिकार के परिप्रेक्ष्य’ पर हुआ विशेष व्याख्यान

वर्धा, 18 सितंबर 2025 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी साहित्य विभाग के तत्वावधान में ‘हिंदी : भाषाधिकार एवं मानवाधिकार के परिप्रेक्ष्य’ विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन गुरुवार, 18 सितंबर को गालिब सभागार में कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मध्यप्रदेश शासन में सेवानिवृत्त



अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव ने वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि भाषिक स्वराज से सुराज संभव करने की दिशा में हमें हिंदी को जनता की भाषा के रूप में स्थापित करना चाहिए। हिंदी ज्ञान की भाषा है। हिंदी को लेकर शासकीय सेवा और न्यायालयों में हमें जनता की भाषा में काम करना चाहिए। हिंदी के संबंध में मानवाधिकार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। देश को अपनी ही भाषा में बोलना चाहिए। भाषा का उद्देश्य संप्रेषण है और हमें इसे व्यावसायिक और व्यावहारिक तौर पर इस्तेमान करना चाहिए। उन्होंने विज्ञापनों की भाषा और उनमें दी जाने वाली वैधानिक चेतावनी का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय भाषा उत्पादों के गुण बताने में प्रयुक्त होती है, परंतु विज्ञापनों में चतुराई से अंग्रेजी भाषा का प्रयोग वैधानिक चेतावनी के रूप में किया जाता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि कोई भी भाषा आत्मबोध के वजूद का अंग होती है। हिंदी भाषा कभी भी प्रभुत्व या वर्चस्व की नहीं अपितु समन्वय की भाषा रही है। मीडिया और हिंदी के संबंध का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी का प्रभाव बाज़ार पर भी दिखता है। हिंदी की शक्ति ने हमें तकनीक से भी समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि मीडिया की मंडी ने नहीं बल्कि हिंदी की ताकत ने मीडिया का बाज़ार बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि भाषा के साथ स्वाभिमान व सम्मान भी बढ़ना चाहिए। हिंदी हमारे स्वाभिमान और सम्मान की भाषा है।

कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने दिया। संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. रूपेश कुमार सिंह ने किया तथा एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी ने आभार माना। कार्यक्रम का प्रारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदी पंथवाडा के अंतर्गत वाचस्पति भवन में अपराह्न 03:30 बजे विविध प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें 19 सितंबर को शुद्ध लेखन, 23 सितंबर को निबंध लेखन, 25 सितंबर को टिप्पण व मसौदा लेखन प्रतियोगिता एवं 26 सितंबर को



स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कंप्यूटर लैब, भाषा विद्यापीठ में 22 सितंबर को टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील हिंदी अधिकारी राजेश यादव ने की है।

हिंदी विश्वविद्यालयात हिंदी पंथवाडा उद्घाटित

हिंदी लोक भाषा व्हावी : मनोज श्रीवास्तव

‘हिंदी : भाषाधिकार आणि मानवाधिकाराच्या संदर्भात’ विशेष व्याख्यान

वर्धा, १८ सप्टेंबर २०२५ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात हिंदी दिवस पंथवाडाच्या निमित्ताने हिंदी साहित्य विभागाच्या वतीने ‘हिंदी : भाषाधिकार आणि मानवाधिकाराच्या संदर्भात’ या विषयावर विशेष व्याख्यान गुरुवार, १८ सप्टेंबर रोजी गालिब सभागृहात कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांच्या अध्यक्षतेखाली करण्यात आले.

कार्यक्रमाचे मुख्य वक्ते म्हणून मध्यप्रदेश शासनाचे सेवानिवृत्त अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव यांनी मार्गदर्शन केले. ते आपल्या भाषणात म्हणाले की, भाषिक स्वराज्याच्या माध्यमातून सुराज्य घडवण्यासाठी हिंदी ही लोकांची भाषा म्हणून स्थापित करणे आवश्यक आहे. हिंदी ही ज्ञानाची भाषा आहे. शासकीय सेवा आणि न्यायालयांमध्ये देखील आपल्याला लोकांच्या भाषेत म्हणजे

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदीत काम करावे लागेल. हिंदीच्या संबंधात मानवाधिकाराचा उल्लेख करतांना ते म्हणाले की भाषेच्या आधारावर भेदभाव होऊ नये. देशाने आपल्या स्वतःच्या भाषेत बोलायला हवे. भाषेचा मुख्य उद्देश संवाद साधणे आहे आणि ती आपण व्यवसायिक व व्यवहार्य पद्धतीने वापरली पाहिजे. त्यांनी जाहिरातींमध्ये वापरल्या जाणाऱ्या भाषेचा उल्लेख करत सांगितले की भारतीय उत्पादने हिंदीत त्यांचे गुणविशेष सांगतात, मात्र वैधानिक चेतावणी मात्र चतुराईने इंग्रजीत दिली जाते.

अध्यक्षीय भाषणात कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा म्हणाल्या की कोणतीही भाषा ही आत्मबोधाचा अविभाज्य भाग असते. हिंदी ही कधीही प्रभुत्व किंवा वर्चस्वाची भाषा राहिलेली नाही, ती नेहमीच समन्वयाची भाषा राहिली आहे. माध्यमे आणि हिंदी यांचे संबंध सांगताना त्यांनी नमूद केले की जागतिकीकरणाच्या काळात हिंदीचा प्रभाव बाजारावरही दिसतो. हिंदीच्या सामर्थ्यामुळे आपण तंत्रज्ञानातही समृद्ध झालो आहोत. त्यांनी हेही स्पष्ट केले की, हिंदीच्या ताकदीने माध्यमांची बाजारपेठ तयार झाली आहे. भाषेसोबत स्वाभिमान आणि सन्मान देखील वाढायला हवा. हिंदी ही आपल्या स्वाभिमानाची आणि सन्मानाची भाषा आहे असेही त्या म्हणाल्या.

स्वागत भाषण साहित्य विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार यांनी केले. कार्यक्रमाचे संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. रूपेश कुमार सिंह यांनी केले, तर असोसिएट प्रोफेसर डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी यांनी आभार मानले. कार्यक्रमाची सुरुवात विश्वविद्यालयाच्या कुलगीताने झाली तर समारोप राष्ट्रगीताने झाला. या वेळी शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

हिंदी पंधरवडा अंतर्गत वाचस्पति भवनामध्ये दुपारी ३:३० वाजता विविध स्पर्धांचे आयोजन करण्यात येणार आहे. या अंतर्गत १९ सप्टेंबर रोजी शुद्धलेखन स्पर्धा, २३ सप्टेंबर रोजी निबंधलेखन, २५ सप्टेंबर रोजी टिपण व मसूदा लेखन स्पर्धा आणि २६ सप्टेंबर रोजी स्वरचित कविता वाचन स्पर्धा होणार आहे. तसेच, २२ सप्टेंबर रोजी भाषा विद्यापीठातील संगणक प्रयोगशाळेत टंकण स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले आहे. या सर्व स्पर्धांमध्ये अधिकाधिक संख्येने सहभागी होण्याचे आवाहन हिंदी अधिकारी राजेश यादव यांनी केले आहे.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305